प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में एक–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पन्तनगर। 9 सितंबर 2023। विश्वविद्यालय के जनरल बिपिन रावत पर्वतीय शोध शिक्षणालय द्वारा 'मोटे अनाजों का मूल्यवर्धन' विषय पर एक–दिवसीय आनलाइन कार्यशाला का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। इस कार्यशाला का संयोजन डा. सीमा क्वात्रा ने किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने अभिभाषण के दौरान अपने आहार में मोटे अनाजों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि मोटे अनाजों में विटामिन, जिंक, पोटेशियम, मैग्नीशियम आदि का अच्छा स्रोत हैं एवं ज्यादा से ज्यादा मोटे अनाजों को उगाने के लिये भी लोगों को प्रोत्साहित करें एवं निदेशक शोध, डा. ए. एस. नैन ने भी मोटे अनाजों के बारे में बताया। इस कार्यशाला में उत्तराखण्ड के विभिन्न जिलों के 60 स्वयं सहायता समूहों के 200 सदस्यों ने भाग लिया। डा. ए.एस. जीना, निदेशक, शोध शिक्षणालय ने सभी आयोजक समिति एवं स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों का धन्यवाद किया और भविष्य में ऐसी और कार्यशालाओं का आयोजन कराने के लिये प्रोत्साहित किया।

मुख्य वक्ता के रूप में डा. सरिता श्रीवास्तव, निदेशक, सुवर्णदा फाउन्डेशन, रूद्रपुर एवं पूर्व प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, खाद्य और पोषण विभाग, डा. रीता सिंह रघुवंशी, भूतपूर्व प्राध्यापक व अधिष्ठात्री, कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस, डा. लक्षिता शर्मा, निदेशक, एमिटी मेडिकल स्कूल व विभागाध्यक्ष, आहार विज्ञान और अनुप्रयुक्त पोषण विभाग, एमिटी विश्वविद्यालय, हरियाणा, और रिचा अग्रवाल, सह संस्थापक, जस्ट ऑर्गेनिक, गुरूग्राम, ने मोटे अनाजः महत्त्व एवं मूल्यवर्धन, मोटे अनाजों के प्रसंस्करण के लिए अवसर और प्रौद्योगिकियां, खाद्य सुरक्षा में मोटे अनाजों की भूमिका, मोटे अनाज आधारित उत्पाद की पैकेजिंग, लेबलिंग और विपणन पर बात की। इस कार्यशाला को आयोजित करने में डा. वी.पी. सिंह, डा. उषा पंत, डा. रेनू पाण्डेय, डा. नीतू डोभाल, और डा. दिव्या सिंह जैसे विशेषज्ञों ने सहयोग किया। एआईसीआरपी कृषि में कार्यरत महिलाओं की प्रोजेक्ट की टीम ने कार्यशाला को सफल रूप से आयोजित करने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन संग्या सिंह और आभार वचन ख्याति जोशी ने किया।

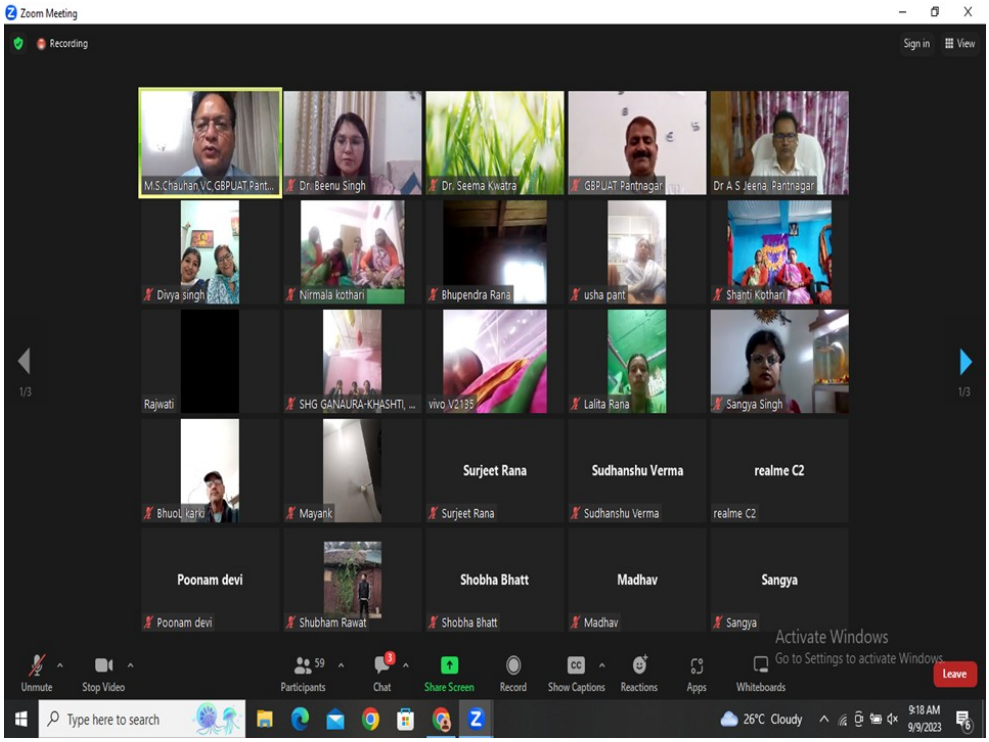

ऑनलाइन कार्यशाला में कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य।

निदेशक संचार